AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : तीन बड़ी चुनौतियां साध चूमा शिखर

विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक कामयाबी की कहानी कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की जुबानी

अक्षय कुमार

लखनऊ। नैक में सर्वोच्च ग्रेडिंग ए प्लस प्लस मिलने से लखनऊ विश्वविद्यालय में उत्साह है। यह लक्ष्य पाने के लिए लविवि प्रशासन ने कड़ी मेहनत की। विवि के इस श्रेष्ठतम प्रदर्शन की राह में कई चुनौतियां थीं, लेकिन मैनेजमेंट बेकग्राउंड और नैक के पूराने अनुभवों ने लक्ष्य साधने में काफी सहायक किया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय कहते हैं कि यह उनके पूरे कार्यकाल की मेहनत का परिणाम है।

कुलपति ने कहा, जब मैं दिसंबर 2019 में लविवि कुलपति का पद संभाला तो तीन सबसे बड़ी चुनौतियां एकेडमिक रीस्ट्रक्चरिंग, विवि की इमेज और वित्तीय संकट के रूप में थीं। जनवरी 2020 में सबसे पहले एकेडमिक रीस्ट्रक्चरिंग पर काम शुरू किया। कोर्सों को अपग्रेड करने के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को देश भर में सबसे पहले लागू करने के काम ने हमें राष्ट्रीय पहचान दिलाई। आगे चलकर इसमें और चीजें जुड़ती गईं। इसके बाद विवि की छवि पर काम शुरू किया। छात्रों, शिक्षकों व कर्मचारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं समझी और चरणबद्ध तरीके से उनका समाधान किया। पीएचडी, यूजी-पीजी छात्रों से अलग-अलग संवाद किया। सीमित संसाधनों में भी छात्रावासों को बेहतर करने का प्रयास किया। छात्रों व शिक्षकों को महसूस कराया कि विवि उनका और उनके लिए है। पूर्व छात्रों को जोड़ा और आधा छह नई योजनाएं शुरू कीं। इससे विद्यार्थी में भी

नैक : ए++

मैनेजमेंट बैंक ग्राउंड और राज्यपाल का मार्गदर्शन काम आया, जनवरी 2020 से शुरू की कवायद, जुलाई 2022 में परिणाम

नैक में झकृष्ट ग्रेडिंग मिलने पर लविवि कुलपति को बधाई देते मेधावी छात्र परिषद के पदाधिकारी. -संवाद

नैक के लिए पूरा डेटा जुटाने में लग गए दो साल

कुलपति ने कहा, समय-समय पर नैक के मूल्यांकन का तरीका भी बदला है। इसको भी बहुत बारीकी से समझता रहा हूं। बीचवाड़ी में भी टीम में रहा हूं। पहले रीजनल विजिट का काफी महत्व था, अब डेटा पर 75 फीसदी नंबर है। विश्वविद्यालय में 47 विभाग, 17 इंस्टीट्यूट, 16 हजार छात्र और 426 शिक्षक हैं। इनका पूरा कंप्लीट डेटा तैयार करने व जुटाने में दो साल लगे। 16 हजार छात्रों की नामांकन संख्या, ई-मेल आईडी, फोन नंबर जुटाना, इसी तरह शिक्षकों के 4500 सिरर्च पब्लिकेशन की जानकारी जुटाना आसान नहीं था। क्योंकि, इसमें से कैच टीम कुछ भी मांग सकती थी। कोई फेक डेटा नहीं दिया, जिससे एसएसआर में एक भी नंबर नहीं कटे।

हमारे प्रयासों की चर्चा हुई।

सबसे बड़ी चुनौती वित्तीय मोर्चे पर थी। इसके लिए अलग-अलग गोल बनाकर राज्यपाल, राज्य सरकार, पूर्व उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री से अलग-अलग स्तर पर बात हुई और काम किया। सभी के सहयोग से आर्थिक संकट कम हुआ और चार नए जिले जुड़ने के बाद इस दिशा में काफी बदलाव भी आया। हमने नया इंक्लूस्ट्रक्चर खड़ा करने की जगह पुराने को ही दुरुस्त किया। 102 साल पुराने विवि के पास दिखाने के लिए बहुत कुछ था, बस उसे प्रजेंट किया।

चीजों को बेहतर कर वेबसाइट, यू-ट्यूब चैनल से सभी जगह प्रदर्शित किया। इसका ही नतीजा रहा कि हमें सर्वोच्च ग्रेडिंग मिली। इसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व नैक का पूरा मार्ग दर्शन और सहयोग मिला।

टीम लीडर बन शुरू किया काम, पूरा विवि साथ खड़ा हुआ

प्रो. राय कहते हैं कि मेरा मानना है कि कोई भी काम तब तक ठीक से नहीं पूरा होता, जब तक एक मुखिया के तौर पर आप अपनी टीम का नेतृत्व करने के लिए खुद आगे नहीं आते हैं। मैंने बंद कमरे में बैठकें करने के साथ-साथ एक-एक विभाग, एक-एक छात्रावास, एक-एक संस्थान का खुद निरीक्षण किया। व्यवस्थाएं देखीं और उन्हें ठीक करवाने का प्रयास किया। जब मैं खुद एक-एक कर सब जगह जाने लगा तो पूरा विवि एक साथ खड़ा हो गया। सभी ने जिम्मेदारी ओढ़ ली। एक-एक कदम ठोस काम किया। कोविड के दौरान भी हमने इसकी काफी तैयारियां कीं।

सातों मापदंड के अलग-अलग हेड बनाना बना यूएसपी

प्रो. राय बताते हैं, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समय-समय पर समीक्षा बैठकें कीं और आवश्यक दिशा-निर्देश देती रहीं, जिसका बहुत लाभ मिला। उनका ही सुझाव था कि सातों मापदंड के अलग-अलग हेड बनाकर तैयारी करें और उनके साथ अन्य शिक्षकों को भी जोड़ें। यह हमारा यूएसपी बना। सातों मापदंड के अलग-अलग हेड बनाए और उनके साथ युवा, डेटा की जानकारी रखने वाली टीम को रखा, जिसने हमारे काम को आसान किया। कई बार हमने सुबह से शाम तक एक-एक बिंदु पर बैठक कर कमियों को दूर करने का प्रयास किया।

■ नाम यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ, यूजीसी में लखनऊ विश्वविद्यालय

चुनौतियों पर कुलपति प्रो. राय कहते हैं, विवि के सामने कुछ दिखाने वाली और कुछ न दिखने वाली चुनौतियां भी थीं। हमने जब सबसे पहले अपना आवेदन यूजीसी में किया तो पता चला कि वहां हमारा नाम लखनऊ विश्वविद्यालय दर्ज है, जबकि कागजों में हमारा नाम यूनिवर्सिटी ऑफ लखनऊ है। इसके बाद यूजीसी के अधिकारियों से बातें कर इसका समाधान किया। इसी तरह पता चला कि बीएड कोर्स की एनसीटीई से मान्यता नहीं है। मालूम हुआ कि काफी पहले से आवेदन किया हुआ था, लेकिन वहां एप्रूवल नहीं था। इसे पूरा कराया गया। ऐसी ही कई चुनौतियां सामने आईं।

अनुभवी टीम व नई ऊर्जा दोनों का सहयोग

वीसी ने कहा, नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड पाना किसी एक की उपलब्धि नहीं है। यह सभी आउटसोर्सिंग कर्मचारियों तक की लगन व मेहनत का भी परिणाम है। हमने नैक की तैयारी के लिए न सिर्फ अनुभवी टीम लगाई, बल्कि उसके साथ नई जानकारी रखने वाले ऊर्जावान युवा भी लगाए। इस तरह सबने मिलकर इस लक्ष्य को प्राप्त किया। मैंने देखा है कि सभी शिक्षक, कर्मचारियों ने सुबह से देर शाम तक जुटकर अपने विभागों में साफ-सफाई, वाल और फेक विभाग बनाने से लेकर डेटा, प्रोफेसर, कागज जुटाने, वेबसाइट बनाने का काम सभी मतभेद भुलाकर किया।

कुलपति प्रो. राय खुद मैनेजमेंट के प्रोफेसर हैं। विवि के शिक्षकों व अधिकारियों का भी कहना है कि उन्होंने नैक की तैयारियों को भी बेहतर तरीके से प्लेन किया है। विवि में 47 विभाग और 17 इंस्टीट्यूट हैं। प्रो. राय ने एक-एक की उपलब्धियों व कमियों को परखा। स्थानीय निरीक्षण में उन्होंने शोध-केस करने वाली चीजों को दिखाया और जो कमियां थीं, उनको ठिकाना भी। टीम का भ्रमण अपने हिसाब से होता है, लेकिन इसमें भी उन्होंने बड़े व दिखाने वाले विभागों में ज्यादा समय दिलवाया और छोटे को कम। छात्रों के लिए शुरू की गई नई योजनाओं व उनसे लगातार संवाद भी काफी सहायोगी रहा और छात्रों का फीडबैक भी काफी अच्छा रहा।

रणनीति बनाकर उपलब्धियों को दिखाया, कमियों को छिपाया

HINDUSTAN PAGE 6

एलयू में सत्र 2021-22 चतुर्थ और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जुलाई से शुरू हो रहीं

बीए, बीएससी, एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स की परीक्षा कल से

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता।

लखनऊ विश्वविद्यालय सत्र 2021-22 चतुर्थ और छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 29 जुलाई से शुरू हो रही हैं। 29 जुलाई से बीएससी छठे सेमेस्टर के साथ ही बीए छठे सेमेस्टर (स्टेटिस्टिक्स, गणित, एप्रोपीलीनी छोड़कर) की परीक्षा सुबह की पाली में होगी। इसके साथ ही एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स की परीक्षाएं भी 29 जुलाई से शुरू हो जाएंगी। परीक्षाओं के लिए केन्द्रों की सूची जारी कर दी गई है।

47 केन्द्रों पर स्नातक की परीक्षा का आयोजन

30 जुलाई से बीकॉम छठे सेमेस्टर की परीक्षा

बीबीए परीक्षा कार्यक्रम

बेचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (यूएिम) छठे सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया गया। बीबीए की परीक्षा एक अगस्त से आठ तक कराई जाएगी। परीक्षा पोस्टर दो से पांच बजे की पाली में होगी।

प्रवेश पत्र जारी हुए

परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि सत्र सेमेस्टर परीक्षाओं के प्रवेश पत्र जारी कर दिए गए हैं। बुधवार टोकर लगभग एक बजे 29 और 30 जुलाई से शुरू होने वाली परीक्षा के प्रवेश पत्र जारी किए हैं।

बीएससी होमसाइंस का परिणाम जारी किया गया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के बीएससी होम साइंस पांचवें सेमेस्टर एवं एमपी प्रीलिमिनरी का परिणाम जारी कर दिया गया है। परीक्षा नियंत्रक विद्यानन्द त्रिपाठी ने बताया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर परिणाम अपलोड कर दिए गए हैं। अधिक जानकारी के लिए छात्र-छात्राएं वेबसाइट देख सकते हैं।

साथ ही 30 जुलाई से बीकॉम छठे सेमेस्टर, एमकॉम (कामर्स) चतुर्थ सेमेस्टर न्यू और ओल्ड कोर्स की परीक्षाएं सुबह से आएंगी। परीक्षाएं 90 मिनट की होंगी।

बीजेएससी छठे सेमेस्टर की पहले एक अगस्त, बीफोटुड चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा एक अगस्त, एमपीटुड चौथे सेमेस्टर की परीक्षा दो अगस्त से शुरू होगी।

मास कॉम इन साइंस कोर्स फिर शुरू, 30 तक आवेदन

अवसर

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता।

लखनऊ विश्वविद्यालय में कोरोना में बंद हो चुका एमएससी इन मास कम्यूनिकेशन इन साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम सत्र 2022-23 से दोबारा शुरू किया जा रहा है। विश्वविद्यालय में ये दो वर्षीय पाठ्यक्रम वर्ष 1995 में शुरू हुआ था और आखिरी बैच 2019 में निकला था। कोरोना की वजह से कोर्स संचालित नहीं किया जा सका।

इस पाठ्यक्रम में 40 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। संस्थान के प्रो. बालगोविन्द ने बताया कि एमएससी इन मास कम्यूनिकेशन एण्ड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर का होगा, जिसमें प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थियों को प्रवेश परीक्षा नहीं देनी होगी। पाठ्यक्रम में सीधे दाखिला देने का विशेष प्रावधान है।

नैक ग्रेडिंग शोधार्थियों के लिए वरदान: कुलपति

गर्व के पल

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता।

एलयू ने ए प्लस प्लस नैक ग्रेड हासिल करने वाला पहला राज्य विश्वविद्यालय बनकर इतिहास के सुनहरे पन्नों में नाम दर्ज कर लिया है। बुधवार को मेधावी छात्र परिषद के सदस्यों ने बधाई देने के लिए कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय से मुलाकात की।

मेधावी छात्र परिषद ने इसी को बेहतरी के लिए काम करते रहने का प्रण लिया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने मुलाकात की।

लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ की ओर से डेढ़ ए डबल प्लस पर बधाई समारोह आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि एक प्रमुख विश्वविद्यालय के अंतर्गत कार्य करने का अवसर मिला था है। विश्वविद्यालय में पहले सब कुछ था, लेकिन उसको सजाने और व्यवस्थित करने के लिए हम सभी ने मिलकर काम किया। उसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमारे सभी शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरियों के लिए आवेदन करते समय इस ग्रेडिंग का लाभ उठा सकेंगे। छात्र अब इम्फोसिस जैसे कॉरपोरेट दिग्गज कंपनियों के कैंपस प्लेसमेंट का लाभ उठा सकते हैं जो केवल ए और उससे ऊपर की नैक ग्रेडिंग वाले विश्वविद्यालयों पर ही विचार करते हैं। संशोधित यूजीसी शोध स्कोर मॉडल के अनुसार पीएचडी स्कालर्ज के लिए उन्नत ग्रेडिंग एक वरदान साबित होगी क्योंकि उन्हें अपने शोध स्कोर के रूप में 30 अंक मिलेंगे जो केवल ए प्लस प्लस ग्रेड के संस्थानों के स्कालर्ज को मिलते हैं, जबकि बी ग्रेड संस्थानों के छात्रों को केवल 12 अंक प्राप्त होते हैं।

प्रवेश के लिए अर्हता

- बीएससी, बीटेक, बीएससी (एजी), बीसीए, बीफार्मा, बीएपएस, बीएपएस, बीडीएस, बीआर्क, बीएससी (एनिमेशन) पॉलीटेक्निक। शुल्क प्रति सेमेस्टर 20 हजार है। 30 जुलाई अंतिम तिथि है।

इस पाठ्यक्रम में 40 सीटों पर दाखिला लिया जाएगा। प्रो. बालगोविन्द ने बताया कि यह पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर का होगा।

TRUE TIMES PAGE 1 & 2

i-NEXT PAGE 2

भाषाओं के संरक्षण के लिए शब्दकोश बना रहा एलयू

पहल

- हिमाचल और उत्तराखंड की भाषाओं के लिए काम
- भाषाओं के वक्ताओं के साथ वर्कशॉप की जा रही

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता।

लखनऊ विश्वविद्यालय का भाषा विभाग लुप्त हो रहीं भाषाओं का शब्दकोश तैयार करने के साथ ही उनका दस्तावेजीकरण कर रहा है। विभाग का ये काम विलुप्त होने की कगार पर पहुंच चुकी भाषाओं के संरक्षण के लिए उठाया गया है।

भाषा विभाग, विभागाध्यक्ष प्रो. कविता रस्तोगी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश की चांभा भाषाओं के साथ काम कर रहा है। ये भाषाएं हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति घाटी में बोली जाती हैं। विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मोनी कपाडी ने बताया कि हिमाचल प्रदेश की लाहौल स्पीति घाटी में बोली जाने वाली स्टोडया, पट्टन्नी, तिनान, गढ़ी और स्पीति भाषाओं पर काम शुरू कर दिया गया है।

अभी तक हम चांभा भाषा की शब्द सूची, वाक्य सूची तैयार कर लीं गई है। हमारा मुख्य लक्ष्य इन भाषाओं का दस्तावेजीकरण है। इस काम में स्थानीय लोगों की भूमिका निभाई जाने की जरूरत है। इन लोगों को काम पर पहुंच चुकी भाषाओं के संरक्षण के लिए उठाया गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखण्ड की गज्जी, जाड़ और राजस्था भाषा पर भी विभाग शोध कर रहा है। उत्तर प्रदेश की लुप्त होने वाली भाषाओं पर भी काम किया जाएगा।

पीएचडी शोधार्थियों को भी अब मिलेगा नैक ग्रेडिंग का फायदा

अपनी रिसर्च के लिए स्कोर के रूप में मिलेंगे 30 नंबर

LUCKNOW (27 July): लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने का फायदा पीएचडी शोधार्थियों को भी मिलेगा. संशोधित यूजीसी शोध स्कोर माडल के अनुसार पीएचडी स्कालर्स के लिए उन्नत ग्रेडिंग वरदान साबित होगी, क्योंकि उन्हें अपने शोध स्कोर के रूप में 30 अंक मिलेंगे, जो केवल ए प्लस प्लस ग्रेड के संस्थानों के स्कालर्स को मिलते हैं, जबकि बी ग्रेड संस्थानों के छात्रों को केवल 12 अंक प्राप्त होते हैं।

कुमार राय को बधाई दी. इस दौरान अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन व अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. प्रेम सुमन भी उपस्थित रहीं. कुलपति ने बताया कि अच्छा पाठ्यक्रम, शिक्षक और अनुसंधान संस्कृति उच्चतम ग्रेडिंग के प्रमुख पहलू रहे। लखनऊ विश्वविद्यालय, अभिनव एवं नवोन्मेषक विचारों के साथ छात्र केंद्रित गतिविधियों के बारे में गर्व से दावा कर सकता है। कुलपति ने बताया कि अच्छा पाठ्यक्रम, शिक्षक और अनुसंधान संस्कृति उच्चतम ग्रेडिंग के प्रमुख पहलू रहे। लखनऊ विश्वविद्यालय, अभिनव एवं नवोन्मेषक विचारों के साथ छात्र केंद्रित गतिविधियों के बारे में गर्व से दावा कर सकता है। अन्य कारणों में, जिन्होंने विश्वविद्यालय को यहां तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनमें कर्मयोगी और कर्मोदय जैसी विभिन्न छात्र कल्याण योजनाएँ शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय को A++ नैक ग्रेड मिलना छात्रों और शिक्षकों के लिए हर्ष और गर्व का क्षण है। छात्र सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरियों के लिए आवेदन करते समय इस ग्रेडिंग का लाभ उठा सकेंगे। छात्र अब इम्फोसिस जैसे कॉरपोरेट दिग्गज कंपनियों के कैंपस प्लेसमेंट का लाभ उठा सकते हैं जो केवल ए और उससे ऊपर की नैक ग्रेडिंग वाले विश्वविद्यालयों पर ही विचार करते हैं। संशोधित यूजीसी शोध स्कोर मॉडल के अनुसार पीएचडी स्कालर्ज के लिए उन्नत ग्रेडिंग एक वरदान साबित होगी, क्योंकि उन्हें अपने शोध स्कोर के रूप में 30 अंक मिलेंगे जो केवल ए प्लस प्लस ग्रेड के संस्थानों के स्कालर्ज को मिलते हैं, जबकि बी ग्रेड संस्थानों के छात्रों को केवल 12 अंक प्राप्त होते हैं।

कॉलेजों के प्राचार्यों ने मांगा सहयोग

एलयू ने स्वायत्त महाविद्यालयों के कई गए प्राचार्य बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मुलाकात की। इनमें एमके मेमोरियल चार्मा डीजी कालेज की प्राचार्य डा. रत्ना बोकलल, बालेश्वर डिग्री कालेज के प्राचार्य प्रो. नाथ सिंह, एमएल डिग्री कालेज के प्राचार्य डा. सुधांशु मिश्रा, नवयुग डिग्री कालेज की प्राचार्य डा. मधुरा उपाध्याय एवं इलाही चार्मा डिग्री कालेज की प्राचार्य डा. सरिता दुबे शामिल रहीं. सभी ने कहा कि ए प्लस प्लस ग्रेडिंग से सम्मान मान बढ़ा है, कुलपति ने प्राचार्यों से कहा कि वे अपने कालेज में नैक एक्रेडिटेशन की प्रक्रिया शुरू करें.

चाट पार्टी में खुला बेहतर ग्रेडिंग का राज

प्लानिंग से मिला लाभ

टीचर्स स्टाफ क्लब की ओर से बधाई समारोह आयोजित

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड पाने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय में सुधार किए, उसकी ग्रेडिंग की. शिक्षकों/छात्रों में अपने पर विश्वास मजबूत की, जिससे दूर कराने का प्रयास किया. नैक की विजिट टीम के सामने भी पूरी तरह से अपने कर्तव्यों को समेकित भी और विश्वास भी दिलाया कि हम सभी एक साथ हैं। यह उन्होंने बुधवार को टीचर्स स्टाफ क्लब में आयोजित समारोह में कहा। कुलपति ने बताया कि अच्छा पाठ्यक्रम, शिक्षक और अनुसंधान संस्कृति उच्चतम ग्रेडिंग के प्रमुख पहलू रहे।

अब छात्र-छात्राएं सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरियों के लिए आवेदन करते समय इस ग्रेडिंग का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा अब इन्फोसिस जैसी कंपनियों के कैंपस प्लेसमेंट का लाभ उठा सकेंगे। इसके अलावा अब लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति को अन्य विश्वविद्यालयों का मार्गदर्शन करने के लिए भी कहा, जिससे वे भी अपनी नैक की ग्रेडिंग सुधार सकें।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधार्थ ग्रेडिंग में बदलाव किया, कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय अब हर मामले में 20 है. विश्वविद्यालय में पहले सब कुछ था, लेकिन उसको सजाने और व्यवस्थित करने के लिए हम सभी ने मिलकर काम किया। उसी उद्देश्य को पूरा करने के लिए हमारे सभी शिक्षक, कर्मचारी, छात्र-छात्राएं सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में नौकरियों के लिए आवेदन करते समय इस ग्रेडिंग का लाभ उठा सकेंगे। छात्र अब इम्फोसिस जैसे कॉरपोरेट दिग्गज कंपनियों के कैंपस प्लेसमेंट का लाभ उठा सकते हैं जो केवल ए और उससे ऊपर की नैक ग्रेडिंग वाले विश्वविद्यालयों पर ही विचार करते हैं। संशोधित यूजीसी शोध स्कोर मॉडल के अनुसार पीएचडी स्कालर्ज के लिए उन्नत ग्रेडिंग एक वरदान साबित होगी, क्योंकि उन्हें अपने शोध स्कोर के रूप में 30 अंक मिलेंगे जो केवल ए प्लस प्लस ग्रेड के संस्थानों के स्कालर्ज को मिलते हैं, जबकि बी ग्रेड संस्थानों के छात्रों को केवल 12 अंक प्राप्त होते हैं।

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

JAGRAN CITY PAGE I

नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग मिलने पर टीचर्स स्टाफ क्लब ने किया बधाई समारोह, पूर्व उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा- हर मामले में बीस है लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनवी चाट पार्टी में खुला ए प्लस प्लस ग्रेड का राज

लखनऊ विश्वविद्यालय में पुलकार्ट की तरह टीचर्स स्टाफ क्लब की ओर से आयोजित बधाई समारोह में मंचासीन विशिष्ट लोग व पदाधिकारी व शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा केक काटते पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय व शिक्षक संघ के पदाधिकारी. • सौ. लविवि

नई शिक्षा नीति लागू करने पर भी नैक में मिला लाभ

नैक मूल्यांकन में लखनऊ विश्वविद्यालय ने सात मानकों पर बाजी मारी है। 3.65 अंक के साथ ए प्लस प्लस ग्रेड प्राप्त किया है। यह नैक के मूल्यांकन में उपलब्ध कोर्सों में 1 विश्वविद्यालय का ऐसा कदम है जहां पर अंक मिले हैं, उसमें सबसे कम अंक नामांकन, शिक्षकों और केमेस्ट्री का रहा है। इंस्टीट्यूशन वैल्यू और बेस्ट प्रैक्टिस में भी बेहतर अंक मिले हैं। यह भी पिछले दिनों में लागू हुई नई शिक्षा नीति लागू करने की प्रक्रिया को सफल बनाने में उपयोगी साबित होगा। 1 प्रोग्राम में सबसे पहले लखनऊ विश्वविद्यालय ने ही नई शिक्षा नीति लागू करने की शुरुआत की थी। बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति लागू करने की शुरुआत की गई।

लखनऊ विश्वविद्यालय में केवल प्लसमेंट 30 को

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की नौकरी देने के लिए 30 जुलाई को पुलकार्ट प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया गया है। इसमें 8 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। विश्वविद्यालय के पीजी के विभिन्न कोर्स के लिए 100 कुशल कर्मचारी की नियुक्ति होगी। इस दौरान 600 पद पर काम होने है। कुल 127 विद्यार्थियों को चयनित 2.54 लाख तक पगार देने जिक्र आया।

पीएचडी शोधार्थियों को भी मिलेगा नैक ए++ ग्रेडिंग का फायदा

राजभवन में शिक्षकों विद्यार्थियों के प्रवक्ताओं व कुलपति डा. आलोक कुमार राय को नैक में ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने की बधाई दी. • सौजन्य. राजभवन

लखनऊ विश्वविद्यालय में केवल प्लसमेंट 30 को

लखनऊ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की नौकरी देने के लिए 30 जुलाई को पुलकार्ट प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया गया है। इसमें 8 हजार छात्र-छात्राएं पंजीकृत हैं। विश्वविद्यालय के पीजी के विभिन्न कोर्स के लिए 100 कुशल कर्मचारी की नियुक्ति होगी। इस दौरान 600 पद पर काम होने है। कुल 127 विद्यार्थियों को चयनित 2.54 लाख तक पगार देने जिक्र आया।

पीएचडी शोधार्थियों को भी मिलेगा नैक ए++ ग्रेडिंग का फायदा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को नैक से ए प्लस प्लस ग्रेड मिलने का फायदा पीएचडी शोधार्थियों को भी मिलेगा. संशोधित यूजीसी शोध स्कोर माडल के अनुसार पीएचडी स्कालर्स के लिए उन्नत ग्रेडिंग वरदान साबित होगी, क्योंकि उन्हें अपने शोध स्कोर के रूप में 30 अंक मिलेंगे, जो केवल ए प्लस प्लस ग्रेड के संस्थानों के स्कालर्स को मिलते हैं, जबकि बी ग्रेड संस्थानों के छात्रों को केवल 12 अंक प्राप्त होते हैं।

नैक में प्रवेश के लिए पीएचडी शोधार्थी परेशान

पूर्व उप मुख्यमंत्री डिनेश शर्मा ने दिया भरोसा, पूर्व उपकुलपति ने कहा- नैक में प्रवेश के लिए शोधार्थी परेशान हैं। पीएचडी शोधार्थियों को नैक में प्रवेश के लिए 30 अंक मिलेंगे। यह बात पूर्व उपमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय व शिक्षक संघ के पदाधिकारियों से कही। इस अवसर पर पूर्व उपकुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि पीएचडी शोधार्थी नैक में प्रवेश के लिए परेशान हैं। पीएचडी शोधार्थी